

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—कण्ड 3—उप-कण्ड (il) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩ 0 70] No. 70] नई बिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 19, 1981/माघ 30, 1902 NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 19, 1981/MAGHA 30, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग लंकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

अधित्वनाए

नर्षे विवनो, 19 फरशरो, 1981

कार्रुवार 106(का). — केन्द्रीय सरकार का, उत्तर प्रवेश राज्य के मुरावाकाय जिले में राजा का सहसपुर स्थित, चीनी का जिनिमणि कर रही, अयोध्या चीनी मिल्स, जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के सम्बन्ध में, इस दृष्टि से कि चीली उच्चोग में उत्पादन की माला में कमी न आने पाये, यह समाधान हो गया है कि सर्वमाधारण के हिन में ऐसा बारना आवश्यक है;

ग्रत, केन्द्रीय सरकार, चीती उनकम (प्रबन्ध ग्रहण) प्रधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उनधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खड़ (ख) द्वारा पदन मिन्नयों का प्रयोग करते हुए श्रीर भारत सरकार के कृषि मनालय (खाद्य निनाग) की मधिसूचना सं० का० ग्राव (धा), नारीख 28 मार्च, 1980 के श्रनुकम में यह घाषणा करती हैं कि उत्तर वाणिन अधिसूचना के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत ऐसी सभी सन्दिश्मां, सम्पति हस्नानरण पत्नों, करारों व्यवस्थानों, पदाहों, स्याई श्रादेशों या ग्रन्थ लिश्वनों (उनसे भिन्न, जो बैकों और वित्तीय सस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबधित हैं) ने प्रोद्भूत या उद्भा होन नाली सभी वाधाओं और दायित्वों घा, जिनका उक्त जीनी उपक्रम या उन्न चानी उन्नक का स्थामी एक पक्षवार है या जो उन्नत

चीनी उ√कम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रवृत्तन ३८ मार्च, 1981 से एक वर्ष की ग्रतिरिक्त ग्रवधि के लिये निलम्बिन रहेगा।

[फा॰ स॰ 13-1/80-गन**्**स॰प॰-स॰]

MINISTRY OF AGRICULTURE (Department of Food) NOTIFICATIONS

New Delhi, the 19th February, 1981

S.O. 106(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Ajudhia Sugar Mills Manufacturing Sugar at Raja-Ka-Sahaspur in the district of Muradabad in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S O. 218(E), dated the 28th March, 1980, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or anising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the above-mentioned notification (other than those relating to secured liabilities to banks and financial instructions) to which the said

sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar-undertaking or the person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[File No. 13-1/80-NSU-A]

का०आर० 107(आ).....केन्द्रीय सरकार का, उसर प्रवेश राज्य के सहारतपुर जिले में लक्सर स्थित, जोनी का विनिर्माण कर रही, राय बहादुर नारायण सिंह शुगर सिस्स लिमिटेड, जो अधिसूचित चीनो उपक्रम है, के सबंध में, इस वृष्टि से जीनी उद्योग में उत्पादन की माला में कमी न प्राने पाए, यह समाधान हो गया है कि सर्वसाधारण के हिन में ऐसा करना आवश्यक है;

श्रतः, केन्द्रीय नरकार चीनी उपक्रम, (प्रधन्ध ग्रहण) श्रधिमियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भौर भारम सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) की प्रधिस्चना मं० की क्या 219 (ग्र), तारीख 28 मार्च, 1980 के प्रमुक्त में यह पीषणा करती हैं कि उपर विणित अधिस्चना के जारी होने की नारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हम्नान्तरण पत्नो, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थाई मावेशों या श्रन्थ निखनों (उनसे भिन्न, जो बैकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत वाियखों से संबंधित हैं) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली मानी बाधाओं और वाियखों का जिनका उन्ह चीनी उपक्रम या उन्ह चीनी उपक्रम या उन्ह चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति की लागू किए जा सकते हैं, प्रशृत्तन 28 मार्च, 1981 से एक वर्ष की प्रतिरंदन प्रविध के लिये निलम्बन रहेगा।

[फा॰सं॰ 1 3-1/80-एन॰एस॰यू॰बी॰]

S.O. 107(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Rai Bahadur Narain Singh Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Lhaksar in the district of Saharanpur in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2) of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 219(E), dated the 28th March, 1980, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the above-mentioned notification (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[File No. 13-1/80-NSU-B]

का०आ०108(आ).---केन्द्रीय सरकार का, उत्तर प्रवेश राज्य के देवित्या जिले में बैतालपुर स्थित, धीनी का विनिर्माण कर रही, श्री सीता राम गुगर कथ्यनी लिमिटेड, जो घिध्युचित चीनी उपक्रम है, के संबंध में इस वृष्टि से कि चीनी उद्योग में उत्पादन की मान्ना में कमी न भ्रानेपाए यह समाधान हो गया है कि मर्थमाधारण के हित में ऐसा करना भ्राव- भ्रयक है;

भ्रतः, केन्द्रीय सरकार, जीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) भ्रधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत रारकार के कृषि संज्ञालय (खाद्य यिभाग) की प्रधिस्चना सैं० का० श्रा० 220 (भ्र), नारीख 28 भार्च, 1980 के श्रमुकम में

यह घोषणा करती है कि उत्पर वर्णित प्रिष्ठिसूचना के जारी होने की नारीख में ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविद्याओं, सम्मक्ति हस्तानरण पश्नो, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थाई प्रादेशों या प्रत्य लिखतों से प्रोद्भृत या उद्भृत होने वाली सभी काषाणों पीर दायित्यों का जिनका उक्न चीनी उपक्रम या, उक्त चीनी उपक्रम का स्थामी एक पक्षकार है या जो उक्त चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं, प्रणृत्तन 28 मार्च, 1901 से एक वर्ष की प्रतिरक्त प्रवृत्त के लिए जा सकते हैं, प्रणृत्तन रहेगा।

[फा॰सं॰ 13-1/80-एन०एस०यू०-सी॰]

S.O. 108(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shree Sitaram Sugar Company Limited, manufacturing sugar at Baitalpur in the district of Deoria in the State of Uttar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 220(E), dated the 28th March, 1980, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the above-mentioned notification to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[File No. 13-1/80-NSU-C]

का० आ० 109(अ) ---केन्द्रीय मरकार का, उत्तर प्रवेश राज्य के बेविरिया जिले में देविरिया स्थित, चीनी का विनिर्माण कर रही, देविरया चीनी मिल्स लिमिटेड, जो ग्रिधिसूचित चीनी उपक्रम है, के सम्बन्ध में, इस वृष्टि से कि चीनी उद्योग में उत्पादन की मान्ना मे कमी न ग्राने पाए, यह समाधान हो गया है कि मर्बमाधारण के हित में ऐसा करना ग्रावण्यक हैं।

धन, केन्द्रेंस सरकार, चीनी उपक्रम (प्रधन्ध सहण) प्रधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धार। 7 की उपधार। (2) के साथ पठित उपधार। (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त णिक्तियों का प्रयान करने हुए और भारत सरकार के कृषि मन्नालय (खाद्य विभाग) की प्रधिमूचना सन कान्ध्रान 221(म्र), तारीख 28 मार्च, 1980 के मनुक्रम में यह घोषणा करनी हैं कि उपर विणत प्रधिमूचना के जारी होंने को तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी सविवासों, सम्पति हस्नावरण पत्नों, करारो, व्यवस्थापनो, पंचाटों स्थाई भावेशो या अन्य सिखतों से प्रीवृत्त या उद्भूत होने वाली सभी बाधाओं और वायित्थों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जा उक्त चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किये जा सकते हैं, प्रवृत्तन 28 मार्च, 1981 से एक वर्ष की प्रतिरिक्त अवधि के लिये निलम्बित रहेगा।

[फा॰मं॰ 13-1/80-एन०एम०यु०-डी०]

S.O. 109(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Deoria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Deoria in the district of Deoria in the State of Uttar Pradesh being, the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of

the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 221(E), dated the 28th March, 1980, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the above mentioned notification to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking is a party, or which may be applicable to the said sugar undertaking or the person, shall temain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[File No. 13-1/80-NSU-D]

का॰ आ॰ 110(अ).—केनीय सरकार का महाराष्ट्र राज्य के बुल्दाना जिले में गंकरनगर स्थित चीनी का विनिर्माण कर रही जीजामाना महकारी शक्कर कारखाना लिमिटेड, जो प्रधिमूचित चीनी उपकम है, के संबंध में, इस दृष्टि से कि चीनी उद्योग में उत्पादन की मात्रा में कमी न ग्राने पाए, यह ममाधान हो गया है कि सर्वसाधारण के हित में ऐसा करना ग्रावण्यक है;

भनः, केन्द्रीय सरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) श्रधिनियम, 1978 (1878 का 49) की धारा 7की उपधारा (2) के साथ पटिन उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग की श्रधिस्चना सं० का श्रा० 222(भ्र), तारीख 28 मार्च, 1980 के भ्रनुत्रम में यह घोषणा करती है कि ऊपर विणित प्रधिस्चना के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविवाधी, सम्यत्ति हस्नांतरण पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्याद्दे श्रादेणों या ग्रन्य निकातों (उनसे भिन्न जो बैकों श्रौर वित्तीय संस्थाधों के प्रतिभूत वायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोद्भृत या उद्भृत होने याली सभी बाध्यताग्रों और दायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा सकते हैं प्रवृत्तन 28 मार्च, 1981 से एक वर्ष की भ्रतिरिक्त भ्रवधि के लिये निलम्बित रहेगा।

[फा॰ सं॰ 13- 1/80 एन एस॰यू-है]

S.O. 110(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Jijamata Sahkari Sakhar Karkhana Limited, manufacturing sugar at Shankarnagar in the district of Buldana in the State of Maharashtra, being the notified sugar undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertaking, (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 222(E), dated the 28th March, 1980, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of assue of the above-mentioned notification (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[File No. 13-1/80-NSU-E]

का०आ० 111(अ)—केन्द्रीय सरकार का, उत्तर प्रवेण राज्य के गोण्डा जिले में बक्तान स्थित, चीनी ना वितिमणि कर रही, भैनसरिया चीनी मिल्स लिमिटेड, जो अधिसूचित चीनी उपक्रम है, के गंबंध में, इस दृष्टि से कि चीनी उद्योग में उदादन की माला में कमी न आने पए, यह समाधान हो गया है कि सर्वमाधारण के हित में ऐसा करता आवश्यक है;

प्रत., केन्द्रीय सरकार, चीनी उनकम (प्रवन्ध प्रहण) प्रधिनयम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उनधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) ढारा प्रवन णिक्तयों का प्रयोग वारते हुए, छोर भारत सरकार के कृषि मलालय (खाद्य विभाग) की प्रधिमुक्ता संव वावधार 22.1(ध), तारीख 28 मार्च, 1980 के अनुक्रम में यह घोषणा करती है कि उत्तर वणित अधिमुक्ता के जारी होने की तारीख से टीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी सिवदाओं सम्पन्ति हम्मातरण पत्नो, करारों, व्यवस्थापना, पंचाटो स्थाई आदेशों या धन्य विधिवतों (उनसे भिन्न, को बैको छोर विस्ताय संस्थाओं के प्रतिभूत वाधित्यों से सर्वधित है) से प्राद्मुत यह उदमृत होने वाणी सभी बाध्यताओं और दायित्यों का, जिनका उन्त चीनी उपक्रम या उन्त पीनी उपक्रम वा स्वत्त है, प्रवृत्त के का मार्च किए जा सकते हैं, प्रवृत्त 28 मार्च, 1981 से एक वर्ष की श्रीतरिक्त ध्रविष के किये निलम्बित रहेगा।

[फा॰ सं॰ 13-1/80 एनएसय्-एफ]

S.O. 111(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Seksaria Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Babhaan in the district of Gonda in the State of Ultar Pradesh, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (h) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 223(E) dated the 28th March, 1980, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the above-mentioned notification (other than those relating to secured liabilities to banks and financial inetitutions) to which the said sugar undertaking or the persons owning the said sugar undertaking or which may be applicable to the said sugar undertaking or the persons shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[File No. 13-1/80-NSU-F]

का॰ आ॰ 112 (अ).—केन्द्रीय सरकार का, निमलनाडु राज्य के निमित्र जिसे से पेट्टाईबेटालई स्थित, पीनी का निमित्र कर रही, काबेरी गुगर एएड केमिकहस लिसिटेड, काबेरी कारखाना जो प्रधिसूचित पीनी उपकम है, के संबंध में, इस दृष्टि में कि चीनी उद्योग में उत्पादन की माला में कभी न आने पाए, यह समाधान हो गया है कि सर्वसाधारण के हिन से ऐसा करना धावस्यक है;

भन. केन्द्रीय मरकार, चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) प्रक्षिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 7 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ट (ख) द्वारा प्रवक्त गांक्तियों का प्रयोग करते हुए, भीर भारत सरकार के कृषि मलालय (खाध विभाग) की प्रधिसूचना सं० का०भा० 224 (भ), तारीख 28 मार्च, 1980 के भ्रनुकम में यह बोषणा करती है कि उपर विणित प्रधिसूचना के जारी होने की तारीख में ठीक पूर्व प्रकृत ऐसी सभी संविदायों सम्मान हस्तान्तरण पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थाई श्रादेणों या भन्य लिखितों (उनमें भिन्न ज) बैकों श्रीर विक्तिय संस्थाक्रों में प्रतिभूव वायित्वों से संबंधित हैं) से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यतामा श्रीर वायित्वों का, जिनका उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो उक्त चीनी उपक्रम या उक्त चीनी उपक्रम का स्वामी एक पक्षकार है या जो उक्त चीनी उपक्रम या एसे व्यक्ति की लागू किए जा सकते है, प्रवृत्तन 28 मार्च, 1981 से एक वर्ष की अतिरिक्त ग्रवधि के लिये निलिन्वत रहेगा।

[फा०मं० 13--1/80ण्नणसमू-जी]

S.O. 112(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Cauvery Sugar and Chemicals Limited,

Cauvery Factory, manufacturing sugar at Pettarvaytalai in the district of Tiruchirapalli in the State of Tamil Nadu, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 224(E), dated the 28th March, 1980, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the above mentioned notification (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking or the person, shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[File No. 13-1/80-NSU-G]

कार आर 113 (अ). -- केन्द्रोय मरकार का, राजस्याव राज्य के बूदी जिले में केणोराय-संदर्भ स्थित, जीनी का विक्रियोंग कर रही, श्री केशाराय-पाटन सहकार। चानी मिल्म शिमिटेड, जो श्रविस्चित चीनी उपन्नम है, के सबध में, एम बुब्दि से कि चीनो उद्योग में उर-त्वन की माजा में कमी न श्राने गाए, यह समाधान ही भया है कि मीमाधारण के हित में ऐना करना श्रावणक है.

ध्रा कंद्रीय नरकार, चेनी उक्ति (प्रयत्य अक्रण) प्रधिनयम, 1979 (1978 का 49) की ध्रारा 7 की उत्तथारा (3) के साथ पठिन उपधारा (1) के खण्ड (या) द्वारा प्रयत्त किन्यों का प्रयाप करते हुए और भारत सरकार के कृषि महानय (खाद्य विभाग) की प्रधिमूचना सक काव्याव 235 (या), नारीख 28 मार्च, 1930 के उन्नुकर में यह पोषणा करती है कि उत्तर विणय प्रधिमूचना व जारी होने की नारीख में ठीक पूर्व प्रयुत्त ऐसी मनी सविकायों, नम्यति हुनातरण प्रा, करारों, व्यवस्थापनों, पचाटों,

स्थाई आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैको ग्रीर वितीय मस्थान्नों के प्रतिभूत वासिन्यों से संबंधित हैं) को प्रोक्ष्मत या उद्भृत होने वालो मभी बाध्यतान्नों ग्रीर दायिन्यों का, जिनका उदन चीनी उपक्रम या उदन चीनी उपक्रम का स्वामी एक प्रजकार है या जो उदन चीनी उपक्रम या ऐसे व्यक्ति को लागू किए जा नजते हैं, प्रवृत्तन 28 मार्च, 1981 से एक वर्ष की श्रीरिक्त संबंधित स्वाधित स्वाधित के लिये निकारिकत रहेगा।

[फा॰स॰ 13~1/८०-जन्मप्तप्-एच] सी॰ एन॰ राधवन, सयुक्त मचिक

S.O. 113(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the Shii Keshoraipatan Sahkari Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Keshoraipatan in the district of Bundi in the State of Rajasthan, being the notified sugar undertaking, it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the sugar industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2), of section 7 of the Sugai Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. S.O. 225(E), dated the 28th March, 1980, the Central Government hereby declares that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements settlements, awards, standing orders, or other instruments in force immediately before the date of issue of the above-mentione. notification (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said sugar undertaking or the person owning the said sugar undertaking or the person shall remain suspended for a further period of one year from the 28th March, 1981.

[File No. 13-1/80-NSU-H] C. N. RAGHAVAN, Jt. Secy.